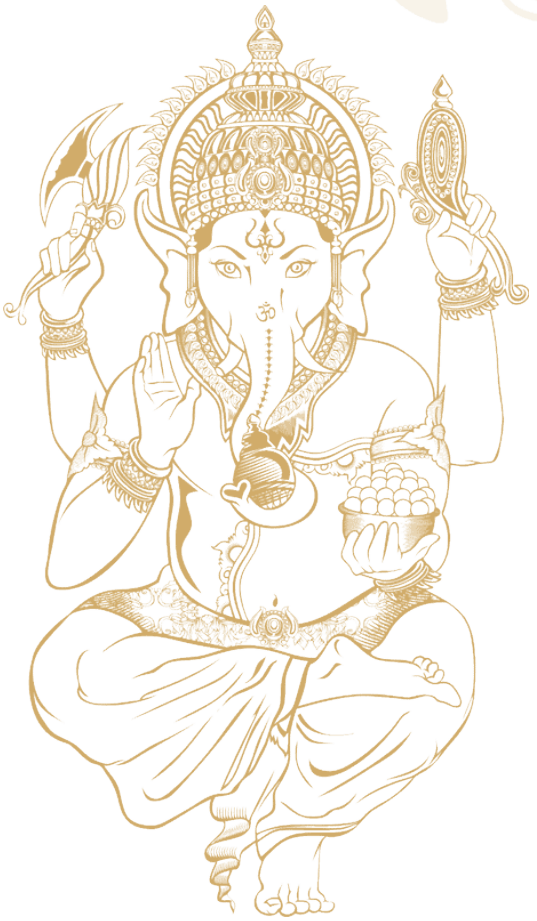

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121833902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/03/1996	जन्म तिथि	19-20/12/1999
सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:55:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 29:40:19	जन्म समय(घटी)	49:35:51 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Agra
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:52	सूर्योदय	07:02:04
18:06:02	सूर्यास्त	17:27:43
23:48:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 13वर्ष 5मा 10दि		02:35:45	कन्या	लग्न	तुला	03:38:03	**शुक्र 5वर्ष 0मा 27दि**	
शनि		04:23:12	मीन	सूर्य	धनु	03:39:24	**मंगल**	
28/08/2009		22:07:46	कुंभ	चंद्र	मेष	23:16:58	**16/01/2021**	
28/08/2028		01:25:05	मीन	मंगल	मक	24:19:23	**16/01/2028**	
शनि	31/08/2012	25:11:04	कुंभ	बुध	वृश्चि	18:47:55	मंगल	14/06/2021
बुध	11/05/2015	20:34:02	धनु	गुरु व	मेष	01:09:29	राहु	02/07/2022
केतु	19/06/2016	19:46:33	मेष	शुक्र	तुला	22:33:19	गुरु	08/06/2023
शुक्र	19/08/2019	03:45:25	मीन	शनि व	मेष	16:56:06	शनि	17/07/2024
सूर्य	31/07/2020	23:21:15	कन्या व	राहु व	कर्क	10:24:17	बुध	14/07/2025
चन्द्र	02/03/2022	23:21:15	मीन व	केतु व	मक	10:24:17	केतु	10/12/2025
मंगल	10/04/2023	09:43:04	मक	हर्ष	मक	20:21:33	शुक्र	09/02/2027
राहु	14/02/2026	03:28:16	मक	नेप	मक	08:54:38	सूर्य	17/06/2027
गुरु	28/08/2028	09:15:51	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:08:26	चन्द्र	16/01/2028

लग्न-चलित

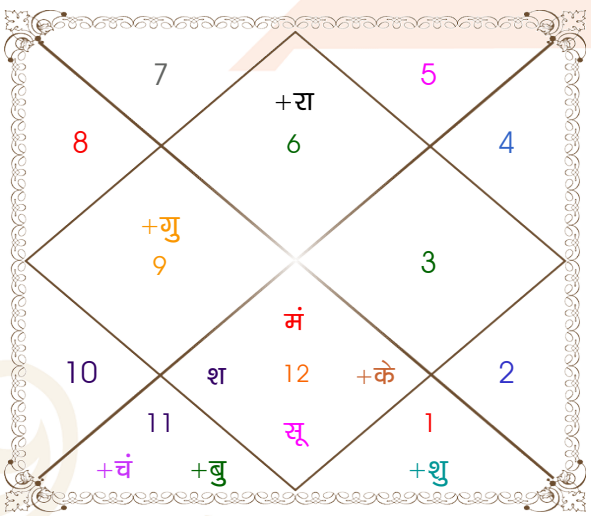

लग्न-चलित

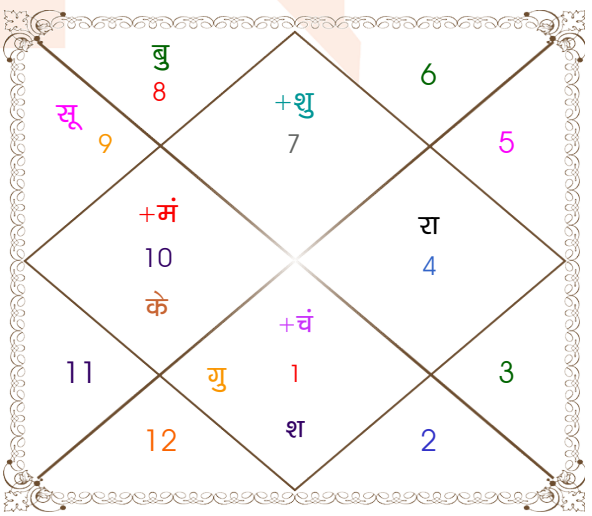

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गज	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।